साधारण सभा के सम्मेलन में प्रस्तुत-आठवॉ वार्षिक प्रतिवेदन

दिनांक –11.04.2012 **2011-2012** स्थान :–सागर कार्यलय

आज दिनांक -११.०४.१२ को आयोजित वार्षिक सम्मेलन में सहारा संस्थान के सचिव श्री मनीश सेन द्वारा वर्ष २०११-२०१२ में संस्थान द्वारा सम्पन्न गतिविधियों की रिर्पोट प्रस्तुत की गयी । बेठक में समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया ।

संस्थान द्वारा संचालित गतिविधियां

निःशुल्क मोटर बाईनडींग प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन शहरी विकास अभिकरण सागर के सहयोग द्वारा संचालित

संगठन द्वारा गरीब व असहाय छात्राओं को शिक्षा देने हेतु निःशुल्क मोटर बाईनडींग प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन शहरी विकास अभिकरण के सहयोग द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया । जिसमें कक्षा 10 से लेकर कालेज स्तर तक की सभी छात्र वे छात्राओं को मोटर बाईनडींग का प्रशिक्षण कराया गया । इस बर्ष 10 छात्र व छात्राओं मोटर बाईनडींग प्रशिक्षण में भाग लिया।

कैशल उन्नयन कार्यक्रम के अर्न्तगत मोटर बाईनडींग प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत बेतुल के सहयोग द्वारा संचालित

संगठन द्वारा स्वर्ण जयंती स्वारोजगार योजना के अर्न्तगत बीपीएल सदस्यों को मोटर बाईनडींग प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत बेतुल के सहयोग द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया । स्वसहाता समुह सदस्य को मोटर बाईनडींग का प्रशिक्षण कराया गया । इस कार्यक्रम में 465 स्वसहाता समुह सदस्य को मोटर बाईनडींग प्रशिक्षण में भाग लिया। कार्यक्रम सफलता पुर्वक सफल रहा ।

Head Off.: C/O.MR.B.K.SEN,BIHAIND T.C.P.C , SASTHRI WARD , KHURAI ROAD ,SAGAR – 470002 (M.P.)
Ph.no.07582-246441 Fex no.-07582-404399Email: sahara_rehli@yahoo.com ; sahara_sagar@rediffmail.com

कैशल उन्नयन कार्यक्रम के अर्न्तगत प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन शहरी विकास अभिकरण बेतुल के सहयोग द्वारा

संगठन द्वारा शहरी स्वर्ण जयंती स्वारोजगार योजना के अर्न्तगत बीपीएल सदस्यों को मोटर बाईनडींग प्रषिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत बेतुल के सहयोग द्वारा प्रषिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया । स्वसहाता समुह सदस्य को प्रषिक्षण कराया गया । इस कार्यक्रम में 60 स्वसहाता समुह सदस्य को प्रषिक्षण में भाग लिया। कार्यक्रम सफलता पुर्वक सफल रहा ।

पर्यावरण जागरूकता अभियान :– एफ्को भोपाल द्वारा

पर्यावरण जागरूकता अभियान के अर्न्तगत सागर नगर एवं स्कूलों में पर्यावरण संरक्षण

,पालीथिन का दुरूपयोग रोकने , भु जल संरक्षण , वृक्षारोपण सुाई अभियान जेसे महत्व पूर्ण विषयों पर चेतना जागृत करने का अभियान चलाया । जिसमें नगर के गंणमान्य नागरिको सहित स्कूलों तथा महाविद्यालयों के छात्र छात्रो ने

वृक्षारोपण करते संगठन के सदस्य व गाम जन

समिति सदस्य द्वारा सफाई कार्यक्रम

कार्यशाला में पधारे अतिथि गण

4- आठवा नि:शुल्क गणवेश एवं पठ्य पूस्तको का वितरण कार्यक्रम :-

प्रति बर्ष की भांती इस बर्ष भी उन सभी छात्र–छात्राओं को नि:षुल्क गणवेष एवं पठ्य पूस्तको का वितरण की गई जो पढना तो चाहता हैं पर उनकि माली हालत कमजोर हैं प्रति बर्ष की भाती इस बर्ष भी 150 छात्र–छात्राओं को गणवेष एवं पठ्य पूस्तको का वितरण की गई ।

' गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम ' पी.सी.-पी.एन.डी.टी.एक्ट पर एक मुक प्रदर्शन

संगठन द्वारा 'गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम' (पी.सी.–पी.एन.डी.टी. एक्ट) पर एक दिवसीय मुक प्रदर्षन का आयोजन सिविल लाईन चौरहें तीन धंटें तक किया गया । और रहा गीरों को एक्ट के संबंध अवगत कराया । कि आज दिनों दिन लडकीयों की संख्या कम होती जा रही हैं। अतः हमें इस अभियान को सफल वनानें के लिए कार्य करना चाहिऐं ।

पी.सी.-पी.एन.डी.टी.एक्ट पर एक दिवसीय कार्यशाला

'गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम' (पी.सी.–पी.एन.डी.टी.एक्ट) पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सहारा मुख्यालय शास्त्री वार्ड, खुरई रोड़ सागर मे किया गया। सहारा संगठन के चेयारमैन हरिषंकर सेन बंगाली द्वारा बताया गया कि यह (पी.सी.–पी.एन.डी.टी.एक्ट) महिलाओं की भलाई के लिए तैयार किय गया था पर कुछ लोगों की बदोलत आज लाग इसका गलत उपयोग कर रहें है। 21वीं सदी में विकास के तमाम दावों के बीच अपने समाज का सबसे बड़ा सच यह है कि देष के अधिकांष हिस्सों में सभी बेटियों के जन्म को लेकर निराषा देखी जाती है। यही वजह है कि कानून बनाने के बाद भी आए दिन कन्या भ्रूण हत्या के मामले आते रहते है। परम्परागत तौर पर लोग बेटी के जन्म को अपने वंषवाद से जोड़ नहीं पाते और इसमें आर्थिक मुष्किलों की शुरूआत मानते है। जिन परिवारों में कन्या भ्रूण हत्याएं नहीं होती, उनमें भी बेटे–बेटियों के बीच भेदभाव किया जाता है।

किन्तु तमाम मुष्किलों के बावजूद बेटियों ने मजबूती से कदम बढ़ाना जारी रखा है और बुलंदियों तक पहुंच रही है। सफलता के झंडे गाड़ रही है लेकिन व्यवहारिक धरातल पर लड़कियों के जन्म को लेकर निराषा खत्म होने का नाम नहीं ले रही।

इस समस्या से निजात पाने के लिए सहारा संगठन व यजूर फाउनडेषन जमीनी स्तर पर कार्यक्रम चलाने की योजना तैयार कर रही है जिसमें पहला निर्णय यह है कि जो पिता स्वेच्छा से लड़की को जन्म देगा उसे 'प्यारी बेटी' पुरूस्कार दिया जायेगा जिसमें प्रस्सती–पत्र व नगद राषि प्रदान की जायेगी।

❖ अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन :–

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं की आत्मनिर्भर बनाने की प्रेरणादायी प्रसंग प्रस्तुत किये गये जिसमें नाट्क, भजन संध्या एवं प्रेरणा गीत प्रस्तुत किया गया साथ ही निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही एक निःशुल्क महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र अलग से किया जायेगा। जिसमें महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने हेतु प्रयास किये जायेंगे। इस कार्यक्रम में महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी सुश्री शशिकांता केशरी ने सहभागिता की।

❖ स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम :–

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में संगठन द्वारा सुर्य की प्रभात किरणों के साथ ध्वजा रोहण किया गया। तत्पश्चात् राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत का गायन किया व शांति के प्रतीक सफेद कबूतर को खुले आकाश में छोड़ा गया। तत्पश्चात् संचालक व समस्त सदस्यों ने भारत के अमर शहीदों की याद में दो मिनिट मौन रहकर श्रृद्धांजली अर्पित की , प्रभातफेरी निकाली गयी, बापू एवं पं. नेहरू की प्रतिमा पर श्रृद्धा सुमन अर्पित किये गये। एवं स्कूली छात्रों के मध्य सूचना प्रोद्योगिकी के लाभ के विषय पर बाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजित की गई तथा विजयी छात्रों को पुरूस्कार वितरित किये गये ।

❖ एड्स विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन :–

एड्स विषय पर दो शासकिय महाविद्यालय देवरी में दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें एड्स से बचने के उपायों पर प्रकाश डाला गया। एड्स एक जानलेवा बीमारी है, जिस पर एक परिचर्चा हुई जिसमें प्रथम दिवस प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र देवरी बी.एम.ओ. ने अपने उद्बोधन दिये एवं एड्स के संबंध में जानकारी दी। दूसरे दिन म.प्र.एडस नियंत्रण समिति द्वारा संचालित टी.आई परियोजना सागर के परियोजना समन्वयक श्री ने एड्स के संबंध में जानकारी दी एवं बताया कि अब यदि लोग सावधानी बरते एवं जगरूक रहें तो इससे बचा जा सकता हैं ।

गुरू देव राविन्द्र नाथ टैगौर पर दो दिवसीय कार्य शाला का आयोजन सस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश शासन, के सहयोग से

कार्यशाला - प्रथम चरण - स्थानीय संदीपनी इंस्टयूट जेल रोड वियर हाऊस (संजय मिश्रा कोचिंग क्लासेस) में दिनांक ४ व ५ मई २०१२ को प्रातः १० से १२ बजे तक आयोजित की गई जिसमें लगभग २०० विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला में ५ मई को विषय विशेषज्ञ श्री गुलशन पाहवा जी ने टैगोर जी की जीवनी पर प्रकाश डाला व विद्यार्थियों से उनकी जीवनी पर आधारित प्रश्न पूंछे जैसे जन्म, उल्लेखनीय कार्य, प्राप्त पुरस्कार, गुरू देव द्वारा लिखित नाटकों, रचनाओं आदि पर आधारित।

कार्यशाला - द्वितीय चरण - ५ मई २०१२ विषय विशेषज्ञ डॉ. निहारिका सिंह प्रोजेक्ट ऑफीसर जिला पंचायत, सागर ने विद्यार्थियों को टैगोर जी रचनाओं, नाटकों और उनके विशेष प्रकृति प्रेम के बारे में जानकारी दी। जिससे विद्यार्थियों को अपनी दिनचर्या निर्धारित करने पर जोर दिया। और टैगोर जी के प्रकृति प्रेम का वर्णन किया। विद्यार्थियों को प्रकृति के सान्निध्य में रहकर कार्य करने की बात अत्यधिक पसंद आई और कई विद्यार्थियों ने अपनी दिनचर्या निरधारित कर टैगोर जी के पद चिन्हों पर चलने का संकल्प कार्यशाला में लिया। और पर्यावरण व प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेबारी को समझा। कार्यशाला के समापन पर संस्था संचालक श्री संजय मिश्रा जी ने विषय विशेषज्ञों को आधार माना और अपेक्षा की कि भविष्य में साहारा जन कल्याण समितिऐसे कार्यक्रमों को संस्था में आयोजित कराता रहे जिससे विद्यार्थियों को महापुरूषों के विषय में जानकारी प्राप्त होती रहे।

❖ गुरू देव राविन्द्र नाथ टैगौर पर चित्रकला प्रर्दषनी का आयोजन

दिनांक २५/०५/२०१२ को ही टैगोर जी के छाया चित्रों पर आधारित चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया। जिसमें प्रतियोगिता दो वर्गो में आयोजित हुई। वर्ग अ में ६ से १५ साल के बच्चे व वर्ग ब में १६ से ऊपर के बच्चों ने हिस्सा लिया। कला भवन रामपुरा सागर व बाल भवन मकरोनियां सागर के लगभग २०० विद्यार्थियों ने टैगोर जी के छायाचित्रों को बनाया। जिसमें कला भवन की संचालिका श्रीमती बेलापुरकर व आदर्श संगीत महाविद्यालय से श्री अरशद खान प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में थे जिन्होंने वर्ग अ एवं वर्ग ब के विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान देकर उनकी कला को प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान लेकर उनकी कला को प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान के अलावा सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिये गये।

❖ रविन्द्रनाथ टेगौर की 150वी जयंती पर सेमीनार

सेमीनार - प्रथम चरण १ मई २०१२ गोपालगंज स्थित गौर कोचिंग क्लासेस में प्रात: ८ बजे से ११ बजे तक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें विशय विशेशज्ञ - डॉण अनिल शर्मा प्रोफेसर एक्सीलेंस गर्ल्स कॉलेज ने टैगोर जी की जीवन पर प्रकाश डाला व उनके द्वारा लिखित नाटक ऑख की किरकिरी व कर्ण और कुन्ती नाटकों का उल्लेख किया जिसमें नाटकों में रूचि रखने वाले विद्याथियों ने काफी प्रशंसा की व भाव - विभोर हो उठे तथा कर्ण और कुन्ती नामक नाटक का मंचन कराने पर जोर दिया। जिससे गौर कोचिंग के संचालक मोहन कुर्मी ने भविष्य में अपनी कोचिंग में ऐसे सेमीनार आयोजित करने के लिए डॉ. अनिल शर्मा व साहारा जन कल्याण समितिके अध्यक्ष चंकज श्रीवास्तव जी से अनुरोध किया। सेमीनार में भग ले रहे लगभग ८०-९० विद्याथियों ने कर्ण और कुन्ती नामक नाटक को संस्था द्वारा अभिजीत कराने पर बार-बार आमंत्रित विषय विशेषज्ञों से अनुरोध किया।

बालिका आवासीय ब्रिजकोर्स केन्द्र का शुभारम्भ किया गया खिरकिया जिला हरदा में

संगठन द्वारा द्वारा शाला त्यागी छात्रओं का बालिका आवासीय ब्रिजकोर्स केन्द्र का शुभारम्भ किया गया खिरकिया जिला हरदा में जिला शिक्षा केन्द्र हरदा के सहयोग द्वारा संचालित किया जा रहा हैं। जिसमें 60 छात्राऐं शिक्षा ग्रहण कर रही । शिक्षा उपरान्त छात्राओं को शालाओं प्रवेश दिया जायेगा

निःषुल्क सिलाई ,काढ़ाई ,बुनाई का प्रषिक्षण :–

संगठन द्वारा इस वर्ष महिलाओं में स्वांलम्वन हेतु निःशुल्क सिलाई, काढ़ाई, बुनाई का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण अवधि तीन माह की थी। जिसमें एक बैंच में 25 महिलाओं एवं लडकीयों को प्रशिक्षण दिया गया। एक दिन में दो बैंच संचालित किये जाते थे। इस तरह एक वर्ष में तीन – तीन माह के तीन कार्यक्रम चालाये गये। एक ब्लााक अर्न्तगत कुल 125 महिलाओं एवं लडकीयों प्रशिक्षण प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम सागर जिले के रहली, राहतगढ़, खुरई, बीना में संचालित किया गया। अतः लगभग 800 से अधिक महिलाओं एवं लडकीयों प्रशिक्षणा प्राप्त किया।

शिक्षा एवं रोजगार परामर्श केन्द्र :–

संगठन द्वारा शिक्षा एवं परामर्श केन्द्र का संचालन किया जा रहा हैं जिसमें शिक्षा प्राप्त कर रहें छात्र - छात्राऐं शिक्षा एवं रोजगार संबधी परामर्श लेने आते हैं अभी तक १२०० से अधिक छात्र - छात्राऐं शिक्षा एवं रोजगार संबधी परामर्श ले चुके हैं ।

Head Off.: C/O.MR.B.K.SEN,BIHAIND T.C.P.C , SASTHRI WARD , KHURAI ROAD ,SAGAR – 470002 (M.P.)
Ph.no.07582-246441 Fex no.-07582-404399Email: sahara_rehli@yahoo.com ; sahara_sagar@rediffmail.com

निःशुल्क कोचिंग क्लाषेस :–

संगठन द्वारा गरीब व असहाय छात्र – छात्राओं को शिक्षा देने हेतु निःशुल्क कोचिंग क्लाशेस का संचालन किया गया। जिसमें कक्षा 6 से लेकर 12 तक के सभी छात्र–छात्राओं को सभी बिषयों का अध्यापन कराया गया। इस बर्ष 200 छात्र – छात्राओं कोचिंग क्लाशेस में भाग लिया।

❖ पल्स पोलियो राष्ट्रीय अभियान में सहभागीता :-

पल्स पोलियो राष्ट्रीय अभियान के तहत ० से ५ वर्ष तक के २२५ बालक एवं बालिकाओं को पोलियो की खुराक पिलाई गयी एवं प्रोत्साहन स्वरूप खिलोने वितरित किये गये।

आठवा निःशुल्क गणवेश एवं पठ्यपुस्तको का वितरण कार्यक्रम :-

प्रति बर्ष की भाती इस बर्ष भी उन सभी छात्र-छात्राओं को निःशुल्क गणवेश एवं पठ्य पूस्तको का वितरण की गई जो पढना तो चाहता हैं पर उनकि माली हालत कमजोर हैं प्रति बर्ष की भाती इस बर्ष भी १७५ छात्र-छात्राओं को गणवेश एवं पठ्य पूस्तको का वितरण की गई ।